DNA प्रोफाइल और लेवरिट ववािह

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में एक **अंग प्रत्यारोपण** के लिये **DNA प्रोफाइलिंग** के दौरान, यह पता चला कि एक पिता अपने बेटे का जैविक माता-पिता नहीं था, जिससे **लेवरिट विवाह** का मामला सामने आया।

- इससे संवेदनशील पारिवारिक जानकारी प्रकट हुई, जिससे **आनुवंशिक गोपनीयता** और **DNA विश्लेषण** के अनपेक्षित परिणामों के बारे में चिंताएं उत्पन्न हो गईं।
- **DNA प्रोफाइलिंग:** **DNA प्रोफाइलिंग** एक ऐसी तकनीक है जो किसी व्यक्ति को उसके **DNA** अनुक्रम में अद्वितीय भिन्नता के आधार पर **पहचानने की तकनीक** है।
  - यद्यपि मानव DNA का 99.9% भाग एक समान होता है, तथापि 0.1% भिन्नता, विशेष रूप से **शॉर्ट टैंडम रिपीट्स (STR)** में, DNA प्रोफाइलिंग का आधार बनती है, जिससे सटीक पहचान संभव होती है।
- **लेवरिट:** लेवरिट विवाह एक प्रथा है जिसमें **मृतक (या शारीरिक रूप से अक्षम) व्यक्ति का भाई अपने भाई की विधवा** से विवाह कर सकता है, जिससे वंश की निरंतरता सुनिश्चित होती है।
  - भारत में **संथाल** और **मुंडा** सहित कई जनजातियों द्वारा इसका अभ्यास किया जाता रहा है।
  - **वैदिक काल** में **नियोग** प्रथा प्रचलित थी, जिसमें छोटे भाई या संबंधी द्वारा **बड़े भाई की विधवा** से विवाह किया जाता था, लेकिन **बाद में गुप्त काल** और उससे पहले के काल में इसे **प्रतिबंधित** कर दिया गया।
- **सोरोरेट** एक प्रथा है जिसमें एक पुरुष अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद उसकी बहन से विवाह करता है।

और पढ़ें: **न्याय प्रणाली में DNA प्रोफाइलिंग**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dna-profiles-and-levirate-marriages